11:10

VISION IAS

www.visionias.in

SUBJECT:	ESSAY TEST - 1	**Test Code:**	1456
Name of Candidate	GAGAN SINGH MEENA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	**Registration Number**	157121
Center	MN	**Date**	22 11 20

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. हिंद-प्रशांत : एक क्षेत्र, अनेक हित

Indo-Pacific : one Region, multiple Interests.

सिंगापुर में आयोजित 'शांगरी ला डायलॉग' में भारत ने हिंद प्रशांत को "मुक्त, खुला, प्रतिस्पर्धी तथा नियम आधारित" बनाने के लिए अपना रणनीतिक वक्तव्य प्रस्तुत किया।

इसी दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) ने अपनी पैसिफिक कमांड का नाम परिवर्तित कर "इंडो पैसिफिक" कमांड कर इस शब्द को और गति प्रदान की।

अब यह प्रश्न उठता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र क्या है? यहाँ पर कौन-कौन सी शक्तियाँ विद्यमान है? उनके कौन-कौनसे हितों की पूर्ति करता है? विभिन्न हितधारकों ने यहाँ कौनसे प्रयास किये है।?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हिंद प्रशांत की परिभाषा को अलग-अलग देशों ने विभिन्न तरीकों से निर्धारित किया है। भारत हिंद प्रशांत को दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट से अफ्रीका के पूर्वी तट तक मानता है, USA इसे आसियान व भारत तक सीमित रखता है वहीं चीन इस शब्द को हमेशा खारिज करता है।

इस क्षेत्र का विभिन्न राष्ट्रों के मध्य भू-सामरिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण स्थान है।

सर्वप्रथम भू-सामरिक स्तर पर देखने पर पता चलता है कि हिंद प्रशांत के भू-स्तर का विभिन्न देशों के बीच क्या महत्व है। आसियान केन्द्रित हिंद-प्रशांत विभिन्न गतिविधियों को नियंत्रित करता है। जो इसके भू-आर्थिक दृष्टिकोण को महत्व प्रदान करता है।

आर्थिक जगत में विश्व का 60% से अधिक सी लाईन आफ कम्युनिकेशन

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हिंद प्रशांत से गुजरता है, खाली अंटार्कटिक का मूल्य की उपस्थिति, विभिन्न संसाधनों की उपलब्धता, बेहतर फिशिंग वातावरण, मानसूनी जलवायु इसके आर्थिक महत्व को और बढ़ा देती है। कुछ राष्ट्र जैसे मालदीव, सेशल्स, मेडागास्कर अपनी अर्थव्यवस्था में ब्लू इकोनॉमी पर ही निर्भर है। आर्थिक स्तर के साथ हिंद-प्रशांत का राजनीतिक महत्व क्या है?

भू-राजनीतिक स्तर पर हिंद-प्रशांत एक चर्चा का विषय बन गया है। विभिन्न राष्ट्रों के बीच हितों में समन्वय के लिए नीतिगत दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये जा रहे हैं। आपसी हितों में टकराव की स्थिति, चीन की बढ़ती आक्रमकता तथा जलवायु परिवर्तन इसकी राजनीतिक मुद्दे पर और बहस को बढ़ावा प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राष्ट्र जैसे ईरान, उत्तरी कोरिया तथा पाकिस्तान की नीतियों ने इस क्षेत्र में और

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिक अनिश्चितता पैदा की है।

इतना ही नहीं यहाँ विभिन्न शक्तियाँ अपनी नीतियों के द्वारा अपने हितों को बढ़ावा प्रदान कर रही है।

भारत द्वारा इंडो पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव, सागर दृष्टिकोण (सुरक्षा एवं सभी के लिए विकास), प्रोजेक्ट मौसम (सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए), नाविक (क्षेत्रीय नेविगेशन प्रणाली), विभिन्न राष्ट्रों के साथ 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता का आयोजन (USA, जापान तथा आस्ट्रेलिया)

अमेरिका (USA) ने अपनी पैसिफिक कमांड का नाम परिवर्तित किया है, एशिया के लिए नई नीति का ऐलान, विभिन्न देशों के साथ नये समझौते जैसे भारत के साथ 4 मूलभूत (COMCASA, लिमोआ etc) पर हस्ताक्षर, डियगो गारसिया में अपने नेवल बेस की स्थापना etc

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चीन ने OBOR (वन बेल्ट वन रोड), के माध्यम से हिंद प्रशांत में अपनी कनेक्टिविटी बढ़ा रहा है, वही दक्षिण चीन सागर के विभिन्न द्वीपों पर अपनी संप्रभुता को दिखाकर आक्रामक रूप अपनाये हुए है। चाहे जीबूती में सैन्य बेस बनाना हो या फिर श्रीलंका में हंबनटोटा, पाकिस्तान में ग्वादर और म्यांमार में क्यूकफू पतन का विकास चीन की बढ़ती भूमिका को दर्शाते हिंद-प्रशांत क्षेत्र में है।

आसियान जो हिंद-प्रशांत के केन्द्र में स्थित है। आसियान आउटलुक के माध्यम से अपने राजनीतिक महत्व को प्रदर्शित किया विभिन्न समितियों जैसे ईस्ट एशिया समेलन, एशिया पैसिफिक काउंसिल, आसियान फोरम आदि के माध्यम से हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने हितों को सर्वोपरि रखे हुए है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसी संदर्भ में विभिन्न द्वीपीय राष्ट्र जैसे मालदीव, सेशल्स, मेडागास्कर आदि अपने आर्थिक व सांस्कृतिक हितों को बढ़ाने के लिए इंडियन ओशन कमीशन के माध्यम से अपने समन्वय को बढ़ा रहे हैं।

वहीं यूरोपीय शक्ति जैसे फ्रांस हिंद प्रशांत में रियूनियन द्वीप के साथ भारत से मिलकर सेटेलाइट श्रृंखला की बात कर रहा है। इस श्रृंखला द्वारा हिंद प्रशांत की महत्वपूर्ण गतिविधियों की निगरानी कि जायेगी।

आस्ट्रेलिया, जापान भी विभिन्न राष्ट्रों के साथ अपने हितों को बढ़ा रहे हैं चाहे वह क्वाड का गठन हो, या फिर मालाबार सैन्य अभ्यास में हाल ही में आस्ट्रेलिया की भागीदारी उसके हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने हितों को बढ़ावा प्रदान कर रहा है।

दक्षिण कोरिया ने अपनी 'न्यू नार्दर्न' तथा 'न्यू सदर्न' नीति के माध्यम से

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपने हितों को अन्य राष्ट्रों के बीच प्रामाण्यता प्रदान की है। जैसे भारत की एक्ट ईस्ट तथा ऑस्ट्रेलिया की 'इण्डो पैसिफिक' नीति के बीच सामंजस्य स्थित है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चुनौतियां क्या है?

हिंद-प्रशांत क्षेत्र जहां एक तरफ अनेक शक्तियों के कारण वैश्विक स्तरपर चर्चा का विषय बना हुआ है वही विभिन्न शक्तियों के कारण अनेक चुनौतियाँ भी पैदा हुई है।

विभिन्न राष्ट्रों के हितों के बीच टकराव ने हिंद प्रशांत के सैन्यीकरण को बढ़ावा प्रदान किया है। चीन की पनडुब्बी हो या फिर अमेरिका के नेवल शीप ऐशों की संप्रभुता को प्रभावित कर रहे है।

संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण विभिन्न प्रजातियों के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। जहाँ मेडागास्कर के पास आयत टैंकर में विस्फोट की बात हो या फिर आस्ट्रेलिया के जंगलों में आग दोनों ने ही संसाधनों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हिंद प्रशांत क्षेत्र के भू-सामरिक महत्व के कारण देशों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी है जो अंतर्राष्ट्रीय शांति, स्थिरता एवं शक्ति संतुलन के लिए खतरनाक है। उदा० के लिए चीन की भारत के प्रति आक्रामकता भारत के हिंद-प्रशांत में बढ़ती उपस्थिति के कारण है।

जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग से सबसे अधिक हिंद-प्रशांत के देश प्रभावित होंगे यदि तापमान 2°C (2100) तक बढ़ता है तो मालदीव का अस्तित्व खत्म हो जायेगा।

क्या हिंद प्रशांत भारत के लिए संभावना पैदा करता है?

भारत के दृष्टिकोण से बात करें तो हिंद प्रशांत हमें सांस्कृतिक रूप से अपनी परंपराओं (आसियान के साथ जुड़ाव) से जोड़ता है, भारत का कुल विश्व व्यापार का 90% हिंद प्रशांत से होता है, सामुद्रिक नौवहन की स्वतंत्रता, आतंकवाद व चरमपंथ से निपटने, अपनी सॉफ्ट पावर (योग मौसम) को बढ़ाने के लिए, विभिन्न देशों

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस स्थान में कुछ ना लिखें)

के लिए सहायता अभियान/ ऑपरेशन इन्द्रधनुष, ऑपरेशन वनीला etc)

भारत जहाँ वैश्विक स्तर पर विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए "नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर" की भूमिका निभाकर अपने हितों को आगे बढ़ा सकता है।

वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने, जलवायु परिवर्तन के लिए पेरिस सिद्धांतों को लागू करने तथा आपदा प्रबंधन के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को मजबूती प्रदान करने के लिए हिंद-प्रशांत में स्थिरता होना आवश्यकता है।

राष्ट्रों को संसाधनों को संपोषणीय उपयोग करना चाहिए, एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान, अखंडता एवं क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देकर हिंद प्रशांत में समावेशी विकास सुनिश्चित करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को विषम आच्छादित, गुणा, समूह तथा उत्तर-दक्षिण (N-S) तथा दक्षिण-दक्षिण (S-S) के मध्य निवेश, बढ़ावा देने वाला क्षेत्र बनाने के लिए आवश्यक है राष्ट्रों को अपनी संकीर्ण मानसिकता, आर्थिक एवं अन्य लाभ के ऊपर उठकर मानवता के प्रति प्रेम, मानवता के आधार पर विकास करना चाहिए।

अतः मे वैश्विक स्तर पर उभरी COVID-19 की चुनौती हो या फिर जलवायु-परिवर्तन, गरीबी आदि का सामना करने के लिए हिंद प्रशांत के विभिन्न हितधारकों को अपने संपूर्ण प्रभुत्व राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा प्रदान कर "वसुधैव कुटुम्बकम" की अवधारणा की तरफ आगे बढ़ना चाहिए।

—x—x—x—

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

8. गांधीजी का जंतर: सुशासन हेतु एक दिशासूचक

Gandhiji's talisman: a compass for good governance

मणिपुर का एक IAS अधिकारी आर्मस्ट्रांग पाम जिसे "मिरेकल मैन" भी कहा जाता है। जब स्थानीय सरकार द्वारा सड़क निर्माण के लिए वित्तीय आवंटन में देरी होने आर्मस्ट्रांग ने सोशल मीडिया के माध्यम से 40 लाख रुपये की क्राउड फंडिंग प्राप्त की और 100 km लंबी सड़क का निर्माण किया।

इस कार्य में आर्मस्ट्रांग पाम गांधीजी के जंतर की गरीबों के प्रति समर्पण, दया तथा कल्याणकारी राज्य की अवधारणा से प्रेरित हुआ। उसने अपने राज्य के लोगों को बेहतर सुशासन प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया और गरीबों, वंचितों के उस सपने को पूरा किया जो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कई वर्षों से लंबित था।

यह तो केवल एक घटना है जहाँ गांधीजी का जंतर सुशासन के लिए मदद करता है। इसके अलावा अनेक ऐसे क्षेत्र, स्तर है जहाँ गांधीजी का जंतर के द्वारा सुशासन प्राप्त कर सकता है।

भारत के विभिन्न संस्थानों में सुशासन का अभिप्राय, महत्व तथा गांधीजी के जंतर के प्रेरणा के माध्यम से इस विषय पर विस्तृत चर्चा कि जायेगी। लेकिन सुशासन क्या है?

सुशासन शासन व्यवस्था का एक भाग है जहाँ प्रणाली में नैतिक मूल्यों को शामिल किया जाता है।

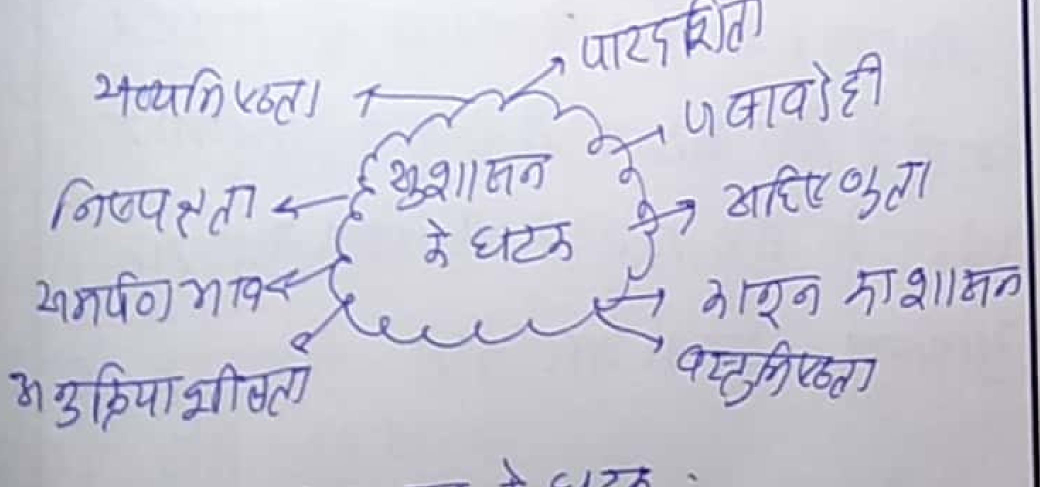

Fig: सुशासन के घटक :

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गांधीजी का मैत्र एक कल्याणकारी राज्य की नींव रखता है जिसके केन्द्र में गरीब, पीड़ित एवं शोषित तथा वंचित सम्मिलित होते हैं।

भारत का संविधान गांधीजी के जंतर से प्रभावित है तथा सामाजिक न्याय, DPSP, आरक्षण तथा विभिन्न संवैधानिक पदों तथा संस्थाओं जैसे अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग के माध्यम से सुशासन सुनिश्चित करता है।

स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति, किसानों को सहकारी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा, शिक्षा की निःशुल्क व्यवस्था (RTE), गरीबी का निवारण, सामाजिक अन्याय की समाप्ति आदि के लिए सरकार के प्रयास गांधीजी के जंतर से प्रभावित थे जिन्होंने सुशासन सुनिश्चित करने में मदद की।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुशासन की विभिन्न अवधारणाएँ गांधीजी के अंतर से प्रभावित है।

भारत में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए RTI आरुन, सोशल आडिट तथा राजस्थान का जन सूचना पोर्टल गरीब को सूचना के माध्यम से सशक्तीकरण करता है।

अल्पविकसिता एवं शोषण के शासन से नियम आधारित व्यवस्था को स्थापित किया है। गरीब, पीड़ित, वंचित अपने आर्थिक व सामाजिक लाभों को प्राप्त कर रहा है। गांधीजी के अंतर से सरकार को मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने, गरीबों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने तथा किसानों को बेहतर उपज मूल्य सुनिश्चित करके शोषण का शासन स्थापित किया।

महिला सशक्तीकरण के संबंध में बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओं का नारा हो या फिर कुटुम्बश्री, लिज्जत पापड़ एवं गुलाबी गैंग जैसी स्वंय सहायता समूहों का गरीबी

निवारण, महिला सशक्तीकरण तथा महिलाओं के प्रति अन्याय को खत्म करने की शक्ति सुशासन के लिए गांधीजी के जंतर से ही प्रभावित है।

सिविल सेवकों में ईमानदारी, करुणा, आदिवासीता कुछ ऐसे मूल्य है जो गांधीजी के जंतर से सीधे प्रभावित है। जैसे प्रशांत नायर (IAS, केरल) का ऑपरेशन सुलेमानी तथा कंपेशियनेट कोझिकोड गरीबों के प्रति करुणा को दर्शाता है जो एक सुशासन का घटक है।

IAS अधिकारी कृष्णा तेजा (केरल) का 'ऑपरेशन कुट्टनाड' हो या फिर पोमा टोडा (ओडिशा ईस्ट) का 9.5 km पहाड़ी की ट्रैक कर आदिवासीयों से मिलना हो, इनका अपनी सेवा के प्रति समर्पण भाव जो गरीबों के प्रति सहानुभूति से प्रभावित था उसका गांधीजी के जंतर से सीधा संबंध जुड़ता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में शिकायत निवारण तंत्र एवं अनुक्रियाशीलता के लिए सेवोत्तम मॉडल या सिटिजन चार्टर की बात हो या फिर लोगों की भागीदारी से स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाना गांधीजी के गरीबों के प्रति समर्पण का भाव तथा उनके उत्थान से ही प्रेरित था।

भारत सरकार का e-Gov., डिजिटल भारत अभियान, स्किल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन आरोग्य योजना, जन धन योजना, आत्मनिर्भर भारत तथा गरीबों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना आदि प्रयास सुशासन के लिए गांधीजी के विचार से प्रेरित हैं।

किसान व ग्रामीण भारत के लिए मनरेगा, MSP, PM किसान योजना, किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड हो, विभिन्न प्रकार की सब्सिडी, भारतनेट परियोजना, फाइबर टू विलेज, गांवों की आत्मनिर्भरता तथा रालेगण सिद्धि (महाराष्ट्र) में असर सरकार की जवाबदेहिता तय करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुशासन के वे प्रयास हैं जो एक कल्याणकारी व पंचायती स्वराज्य की अवधारणा रखते हैं।

इसके साथ ही कुछ नवाचारी कार्य जैसे सोनमवांग-चुक का '<u>ऑपरेशन होप</u>' तथा आइस स्तूप की अवधारणा, भरत वटवानी द्वारा मानसिक रूप से <u>विक्षिप्तों का पुनर्वास</u> तथा मनसुख भाई प्रजापति द्वारा '<u>मिट्टी कूल</u>' फ्रिज का निर्माण। ये कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सुशासन की नींव रखी है जो सीधे गरीबों को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करती है। ये तो केवल सिक्के का एक पहलू है सुशासन के समक्ष चुनौतियों का क्या?

गांधीजी का जंतर सुशासन के लिए एक दिशासूचक यंत्र करता है लेकिन सुशासन के संदर्भ में <u>अनेक चुनौतियाँ</u> भी विद्यमान हैं जिनका अध्ययन महत्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शहरी व ग्रामीण भारत के मध्य डिजिटल डिवाइड, शिक्षा व स्वास्थ्य का स्तर, संसाधनों की उपलब्धता, रोजगार की व्यवस्था।

सामाजिक परिदृश्य में जाति व्यवस्था, लोक लिंगता, महिला बलात्कार व कार्यस्थल पर उत्पीड़न, मॉब लिंचिंग आदि सुशासन के लिए चुनौतियाँ है।

नौकरशाही - कॉर्पोरेट लिंकेज, भ्रष्टाचार, पारदर्शिता व जवाबदेही का अभाव, भाई भतीजावाद - लाल फीताशाही आदि

लाभार्थी की बेहतर पहचान नहीं, फर्जी लाभार्थी (NFSA के अंतर्गत), जागरूकता की कमी, कानूनों की जटिलता (एक से अधिक कानून), योजनाओं के बीच तालमेल का अभाव।

सरकारी अधिकारियों की 'चलता है' का दृष्टिकोण, ई-गवर्नेंस के प्रति संकीर्ण नजरिया आदि सुशासन की नींव को कमजोर करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फेक न्यूज, हितों में टकराव, वाटर आप आर्ट की गमी आदि वेक्सीन के सुशासन के लिए हमारे प्रयासों को सीमित करते हैं।

हमें एक आशावादी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए और प्रशासन में लोगों की भागीदारी, वाटर आप अप्रोच, ग्रोथ लेड विकास, समावेशी व सतत विकास पर ध्यान देकर सुशासन को प्राप्त करना

तकनीकी, ICT तथा सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग वंचितों, पीड़ितों को कल्याणकारी राज्य के साथ जोड़ सकता है।

विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग, NGO, SHGs तथा नागरिक संगठनों की भागीदारी के समग्र विकास की अवधारणा को रूप प्रदान करके गांधीजी के जंतर का बेहतर उपयोग।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

अंत में हमारे संविधान की प्रस्तावना के सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक न्याय, स्वतंत्रता, समता तथा भाईचारे की भावना का विकास सुशासन के लिए आवश्यक है।

चाहे गांधीजी का अंत्योदय से सर्वोदय का सिद्धांत हो, अमर्त्य सेन की क्षमता अप्रोच हो या फिर जॉन रॉल्स का न्याय सिद्धांत प्रशासन में गरीबों को केन्द्रीय भूमिका में रखता है जो गांधीजी के जंतर की भावना से प्रेरित है।

इस प्रकार गांधीजी का जंतर हमें न केवल एक दिशा प्रदान करता है बल्कि एक कल्याणकारी, समावेशी, सुखी, समृद्ध समाज का विकास भी करता है।

—x—x—